यूपी वैश्विक खेल अर्थव्यवस्था में कर सकता है भारत की अगुवाई

फिक्की ने श्वेत पत्र में कहा- स्पोर्ट्स उत्पादों का वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की क्षमता

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स उत्पादों का वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन सकता है। साथ ही, वैश्विक खेल अर्थव्यवस्था में देश की अगुवाई कर सकता है। इसके लिए पांच मोर्चे बुनियादी ढांचे, नवाचार, निवेश, अंतरराष्ट्रीयकरण और समावेशिता पर काम करने की जरूरत है।

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने आईएमटी गाजियाबाद के साथ मिलकर जारी एक श्वेत पत्र में कहा, यूपी पहले से ही देश से होने वाले स्पोर्ट्स उत्पादों के निर्यात में 40 फीसदी से अधिक का योगदान देता है। मेरठ इसे और बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जिसकी पूरी औद्योगिक क्षमता के विस्तार की जरूरत है।

इसमें आगे कहा गया है कि यूपी के स्पोर्ट्स उत्पाद क्षेत्र को बदलना सिर्फ एक आर्थिक अवसर नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता है। 20 करोड़ से ज्यादा नागरिकों और एक विशाल युवा जनसांख्यिकी के साथ यूपी भारतीय औद्योगीकरण के एक नए युग का नेतृत्व करने के लिए तैयार है, जहां खेल और विनिर्माण के जरिये निर्यात, रोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा सकता है।

फिक्की स्पोर्ट्स सब-कमेटी के अध्यक्ष, यूपी चैप्टर एवं आईएमटी गाजियाबाद में स्पोर्ट्स रिसर्च सेंटर के प्रमुख डॉ. कनिष्क पांडे ने कहा, यह श्वेत पत्र सिर्फ एक रिपोर्ट नहीं है, बल्कि यूपी को स्पोर्ट्स उत्पादों का वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने का आह्वान है। सही नीतिगत फोकस और सहयोगात्मक अभियान के साथ इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

40%

से अधिक हिस्सेदारी है देश के स्पोर्ट्स उत्पादों के निर्यात में

श्वेत पत्र की खास बातें

मेरठ पर देना होगा ध्यान : मेरठ में 35,000 से ज्यादा खेल के सामान बनाने वाली इकाइयां हैं। इनमें तीन लाख से अधिक कर्मचारी काम करते हैं और सालाना 1,500 करोड़ रुपये का कारोबार होता है।

निर्यात की अपार संभावना : दुनियाभर में मांग के बावजूद वैश्विक खेल उत्पाद निर्यात बाजार में भारत की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम है। वैश्विक प्रमाणन, अनुसंधान एवं विकास और ब्रांडिंग के जरिये भारतीय निर्यात को काफी हद तक बढ़ाया जा सकता है।

बुनियादी ढांचे की जरूरत : श्वेत पत्र में ओडीओपी और पीएम-मित्र योजनाओं के तहत मेरठ में एक समर्पित खेल उद्योग पार्क बनाने का प्रस्ताव दिया गया है। इसमें प्लग-एंड-प्ले इकाइयां, परीक्षण प्रयोगशालाएं और निर्यात सुविधा होगी।

खेल विनिर्माण नवाचार फंड बनाने की सिफारिश

- श्वेत पत्र में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन देने के लिए खेल विनिर्माण नवाचार फंड बनाया जाए।
- मेड इन यूपी खेल उत्कृष्टता वैश्विक ब्रांडिंग अभियान चलाया जाए।
- स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी वाली औद्योगिक भूमि मुहैया कराई जाए।
- आईएमटी गाजियाबाद, आईआईटी कानपुर और एनआईएफटी जैसे संस्थानों के साथ उद्योग-अकादमिक साझेदारी की जाए।
- नीतियों के कार्यान्वयन के लिए उद्योग और शिक्षाविदों को लेकर एक राज्य स्तरीय टास्क फोर्स बनाया जाए।